प्रसार भारती
(भारत का लोक सेवा प्रसारक)
समाचार सेवा प्रभाग: आकाशवाणी:नई दिल्ली

संख्या 24(10)2021-22 जी.हि. /1158 से 1209 **दिनांक: 13.09.2022**
13 सितम्बर 2022

परिपत्र

महानिदेशक(समाचार) **दिनांक 14 सितंबर, 2022** को **हिंदी दिवस** के अवसर पर जीएनआर/एचएनआर के बीच रिक्त स्थान पर प्रात: 11.00 बजे अपील पढ़ेंगी। इस अवसर पर आप सभी की उपस्थिति अनिवार्य है।

यह महानिदेशक(समाचार) की सहमति से जारी किया जा रहा है।

13.09.2022
(विवेक गौड़)
निदेशक(रा.भा.)

प्रतिलिपि
1. सभी अपर महानिदेशक ।
2.संयु.निदेशक(प्रशा.)/संयु.निदेशक(स.)/उप-निदेशक(स.)/सहा.निदेशक(स.)/प्रशासनिक अधिकारी/डी.डी.ओ. ।
3. महानिदेशक(समाचार) के निजी सचिव को सूचनार्थ।
4. प्रशासन अनुभाग/ जी. ब्रांच/ लेखा अनुभाग/ लाइब्रेरी/ परिवहन एकक/ जीएनआर/ एचएनआर/रिपोर्टिंग/न्यूज़रील/सभी भाषा एकक/सभी नोटिस बोर्ड।
5. सभी क्षेत्रीय समाचार इकाइयों को इस निर्देश के साथ कि क्षेत्रीय समाचार इकाई प्रमुख हिंदी दिवस के अवसर पर महानिदेशक(समाचार) द्वारा जारी अपील को पढ़ें।
6. आई.टी. यूनिट को इस इस निर्देश के साथ कि अपील को वेब साइट पर अपलोड करें।

डॉ0 वसुधा गुप्ता
महानिदेशक (समाचार)

DR. VASUDHA GUPTA
DIRECTOR GENERAL (NEWS)

सत्यमेव जयते

समाचार सेवा प्रभाग : आकाशवाणी
News Services Division : All India Radio

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

अपील

'हिंदी दिवस' पर आपको मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

भारतीय संविधान द्वारा दिनांक 14 सितंबर, 1949 को धार्मिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक परंपराओं को जोड़ने की कड़ी और अधिकांश देशवासियों द्वारा बोली एवं समझी जाने वाली, 'हिंदी भाषा' को 'संघ की राजभाषा' के रूप में चुना गया है। इसके साथ ही, संघ सरकार को यह महत्वपूर्ण दायित्व भी सौंपा गया कि वह अन्य भारतीय भाषाओं के रूप, शैली एवं पदावली को आत्मसात करते हुए हिंदी भाषा का विकास करे ताकि वह भारतीय संस्कृति के सभी तत्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके।

आज कोई भी भाषा कंप्यूटर तथा अन्य इलेकट्रॉनिक उपकरणों से दूर रह कर जन-मानस से जुड़ी नहीं रह सकती। वर्तमान में डेटाबेस के आधार पर मशीनी अनुवाद से पूरे विश्व में अनुवाद कार्य किया जा रहा है।

समाचार सेवा प्रभाग आकाशवाणी का भाषा के साथ आत्मीयता व अपनत्व का संबंध है। समाचार सेवा प्रभाग सहज, सरल भाषा का प्रयोग करते हुए समाचार एवं समाचार आधारित कार्यक्रमों के प्रसारण से मातृभाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा हिंदी को देश के सुदूरवर्ती क्षेत्रों तक पहुंचाता है और देश के जनमानस को देश व विदेश से जोड़ने का काम करता है।

मुझे आशा है, हमारा प्रभाग भी प्रशासकीय कार्यों में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग कर राजभाषा के प्रति अपने संवैधानिक दायित्व का निर्वाह करता रहेगा। इस अवसर पर सभी अधिकारियों/कार्मिकों से आग्रह है कि वे दृढ़ निश्चय से संकल्प लेकर अपना अधिक से अधिक सरकारी कामकाज हिंदी में करें।

(डॉ.वसुधा गुप्ता)